रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ अक्टूबर-दिसम्बर, 2023

# उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ
संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर
वर्ष-68 अंक : 10-12
Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.
Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com
http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

**डॉ. वेल्दी फिशर की पुण्यतिथि पर विशेष**

## साक्षरता की देवी : डॉ. वेल्दी फिशर

□ **सुधाकर मान सिंह,** प्रशासनिक अधिकारी

**डॉ० श्रीमती वेल्दी हॉनसिंगर फिशर** का नाम प्रौढ़ साक्षरता के क्षेत्र में बड़े आदर और सम्मान के साथ लिया जाता है। साक्षरता की देवी के नाम से विख्यात डॉ. फिशर का जन्म जन्म 18 सितम्बर 1879 में हुआ था।

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद इन्होंने शिक्षिका के रूप में कार्य प्रारम्भ किया। मानव मात्र की सेवा की प्रबल भावना से प्रेरित हो 26 वर्ष की अवस्था में कु. वेल्दी हॉनसिंगर ने चीन के नानचांग शहर के एक स्कूल की प्रधानाध्यापिका का कार्यदायित्व सँभाला। उन्होंने चीन की भाषा सीखी और एक अनाथ चीनी बालिका को अपनी बेटी की तरह पाल-पोस कर शिक्षित किया। कालान्तर में इन्होंने बाल्डविन स्कूल की सारी भूमि, भवन और सम्पत्ति चीनी लोगों को सौंप दिया और लगभग ग्यारह वर्ष चीन में रहने के बाद वह अपनी मातृभूमि अमेरिका वापस आ गईं। स्वदेश लौटने पर वह नवयुवतियों के संघ में सम्मिलित हो गईं। इस संघ ने उन्हें 1918 में फ्रांस के युद्ध में घायलों और सैनिकों की सेवा के लिए भेजा।

श्रीमती वेल्दी फिशर सन् 1939 में वापस भारत आईं, और गाँधी जी से मिलीं। गाँधी जी ने उन्हें भारत के गाँवों में में जाकर ग्रामीणों की सेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वह ग्रामीणों के पास उनके मित्र के रूप में जाएँ और देखें कि वह भारत के ग्रामीण के लिए क्या कर सकती हैं। श्रीमती फिशर, गाँधी जी के विचारों से बहुत प्रभावित थीं। उन्होंने अपने सेवा कार्य की शुरूआत वर्ष 1953 में नैनी एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद से की।

इसी क्रम में एक दिन उन्हें उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल श्री के. एम. मुंशी जी से भेंट का अवसर मिला। उन्होनें राज्यपाल श्री मुंशी को अपने सेवा कार्य में आ रही अड़चनों आदि से अवगत कराया।

श्री के. एम. मुंशी ने उन्हें लखनऊ में संस्था स्थापित करने के लिए लखनऊ-कानपुर रोड पर जमीन उपलब्ध कराई, जिस पर सन् 1956 में साक्षरता निकेतन की स्थापना हुई। उस समय श्रीमती वेल्दी फिशर की आयु 77 वर्ष थी। इस उम्र में सेवा कार्य के लिए इतना बड़ा संकल्प लेना और कार्य प्रारम्भ करना उनकी समर्पित सेवा भावना का परिचायक है।

उनकी संकल्प शक्ति और सद्प्रयासों से स्थापित साक्षरता निकेतन ने केवल भारत में ही नहीं वरन् विदेशों में भी प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना लिया है। देश के बड़े-बड़े नेताओं, शिक्षाविदों एवं साहित्य-

सेवियों ने विभिन्न अवसरों पर साक्षरता निकेतन में पधार कर यहाँ के सेवा कार्यों की सराहना किया है। श्रीमती फिशर को शिक्षा जगत में साक्षरता की देवी के रूप में जाना जाता है। आदर से लोग उन्हें अक्षरदात्री माँ भी कहते हैं। श्रीमती वेल्दी फिशर ने 101 वर्ष की आयु पूरी कर 16 दिसम्बर 1980 को अमेरिका में अपना शरीर छोड़ा।

आज वह इस दुनिया में नहीं हैं, परन्तु अपने सूक्ष्म रूप में वह साक्षरता निकेतन परिवार के साथ सदैव उपस्थित हैं और प्रेरणा देती रहती हैं। उनकी अन्तिम इच्छा के अनुरूप अमेरिका से लाई उनकी अस्थियाँ साक्षरता निकेतन के सर्वधर्म प्रार्थना भवन में सुरक्षित हैं। साक्षरता और मानव सेवा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले। भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट भी जारी किया। उन्हें रेमन मैग्सेसे पीस अवार्ड, प्रथम नेहरू साक्षरता पुरस्कार, संयुक्त राज्य अमेरिका प्रौढ़ शिक्षा संघ पानियर अवार्ड आदि अनेक उपाधियों से सम्मानित किया गया।

श्रीमती फिशर की पुण्य तिथि 16 दिसम्बर के अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर में स्थापित 'वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी' द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अकादमी के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया तथा समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा साक्षरता की देवी को श्रद्धांजली अर्पित किया गया।

साक्षरता निकेतन का सम्पूर्ण परिवार माँ वेल्दी फिशर को नमन और वन्दन कर अपनी श्रद्धा प्रकट करता है, साथ ही उनके सम्मान में नतमस्तक होकर उनके दिखाये रास्ते पर चलने के लिए संकल्पित है। □□□

# प्रायोगिक तौर पर गन्ने की खेती

**इण्डिया** लिटरेसी बोर्ड के बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्रों पर अभिनव प्रयोग के रूप में गन्ना फसलोत्पादन का कार्य प्रारम्भ किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में उक्त कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर एवं नीवां पर गन्ने के उत्पादन का कार्य मेसर्स बलरामपुर सुगर मिल, हैदरगढ़ इकाई तथा गन्ना विकास विभाग, उ.प्र. के सहयोग से प्रायोगिक तौर पर प्रारम्भ कराया गया है। इसके अन्तर्गत मेसर्स बलरामपुर सुगर मिल, हैदरगढ़ इकाई द्वारा उपलब्ध करायी गयी गन्ने की उन्नत प्रजाति COLK-0118 तथा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ की उन्नत प्रजाति COLK-14201 की बुवाई क्रमशः नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर 07 एकड़ एवं बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र पर 02 एकड़ में करायी गयी है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर क्रमशः एक-एक एकड़ क्षेत्रफल पर इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (IFFCO) के सहयोग से नैनो डी.ए.पी. का प्रक्षेत्र प्रदर्शन का कार्य भी कराया गया है। □□□

## इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

| | | |
|---|---|---|
| 1. | श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) | अध्यक्ष |
| 2. | डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह | उपाध्यक्ष |
| 3. | श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.) | कोषाध्यक्ष |
| 4. | न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.) | सदस्य |
| 5. | पद्म भूषण एवं पद्मश्री श्री चण्डी प्रसाद भट्ट | सदस्य |
| 6. | श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.) | सदस्य |
| 7. | श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.) | सदस्य |
| 8. | डॉ. उर्वशी साहनी, शिक्षाविद | सदस्य |
| 9. | श्री विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक (कृषि), उ.प्र. | सदस्य |
| 10. | सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार | सदस्य |
| 11. | कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन | सदस्य |
| 12. | अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन | सदस्य |
| 13. | कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ | सदस्य |
| 14. | कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर | सदस्य |
| 15. | कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर | सदस्य |
| 16. | कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या | सदस्य |
| 17. | अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली | सदस्य |
| 18. | सुश्री सुषमा ढौडियाल, वरिष्ठ सहायक (प्रशासन) | वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि |
| 19. | श्री ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पुस्तकालय सहायक | कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि |
| 20. | सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) | सदस्य-सचिव |

# राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की गतिविधि

राज्य संसाधन केन्द्र, उत्तर प्रदेश साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा असाक्षर महिला एवं पुरुषों को साक्षर करने हेतु प्रशिक्षण संचालित किए जाते हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत महुरी कला के अन्तर्गत ग्राम सोनारी, जनपद-बहराइच में एक केन्द्र का संचालन प्रारम्भ किया गया है। यह केन्द्र दिनांक 28.12.2023 से संचालित किया गया है। ग्राम सोनारी के इस प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन प्रेरक सचिन कुमार द्वारा किया जा रहा है। केन्द्र पर बीस प्रशिक्षणार्थियों को राज्य संसाधन केन्द्र के निर्देशानुसार प्रशिक्षित किए जाने का दायित्व प्रेरक सचिन कुमार को दिया गया है, इस हेतु उन्हें पठन-पाठन सामग्री भी उपलब्ध करा दी गई है।

उल्लेखनीय है कि छः माह हेतु अगस्त 2023 में संचालित दो प्रशिक्षण केन्द्रों का प्रशिक्षण आगामी फरवरी, 2024 में पूर्ण होगा। इन केन्द्रों का संचालन क्रमशः प्रशिक्षक श्री सैयद अरशद रिजवी तथा सुश्री जेया फातिमा द्वारा किया जा रहा है।

इसी क्रम में जनपद सीतापुर के सिधौली ब्लाक के अन्तर्गत न्याय पंचायत मऊ में साक्षरता कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए गत सितम्बर, 2023 में ही साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित समस्त तीस प्रेरकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इन सभी प्रेरकों को नई किरन प्रवेशिका के माध्यम से असाक्षर लाभार्थियों को सरल ढंग से असाक्षरों को साक्षर करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की गई और इन्हें अपने-अपने ग्राम पंचायत व मजरों में पठन-पाठन सामग्री के साथ असाक्षरों को साक्षर करने का दायित्व सौंपा गया है। सभी प्रेरक अपने दायित्वों का पालन सम्यक रूप से कर रहे हैं और इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, राज्य संसाधन केन्द्र के निर्देशानुसार यथासमय परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उक्त केन्द्रों का निरीक्षण निर्धारित समय पर किया जा रहा है। केन्द्रों पर नई किरन प्रवेशिका के माध्यम से साक्षर किए जाने का कार्य सम्बन्धित प्रेरकों द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है। □□□

**यदि आप मानव आत्मा की आन्तरिक शुद्धता को स्वीकार करते हैं, तो आप अथवा आपका धर्म किसी भी व्यक्ति के स्पर्श से किसी भी तरह से अशुद्ध या अपवित्र नहीं हो सकता है।**

**हम धर्म को चरित्र का पक्का आधार और मानव सुख का सच्चा स्रोत मानते हैं। हम मानते हैं कि देशभक्ति एक शक्तिशाली माध्यम है, जो व्यक्ति को उच्च विचार वाले निःस्वार्थ कार्य के लिए प्रेरित करती है।**

**- पं0 मदन मोहन मालवीय**

# जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

## स्वच्छता एवं श्रमदान :

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान लखनऊ (साक्षरता निकेतन) द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जयन्ती की पूर्व संध्या पर मोहनलालगंज स्थित श्री कालेवीर बाबा मन्दिर प्रांगण, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा रेलवे स्टेशन परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मुख्य थीम 'स्वच्छता हेतु श्रम दान-कचरा मुक्त भारत' रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री अजय पाण्डे (सत्यम), प्रतिनिधि नगर पंचायत एवं अध्यक्ष व्यापार मण्डल मोहनलालगंज तथा अधिशासी अधिकारी श्री मनीष राय की गरिमामयी उपस्थिति में हरी झण्डी दिखाकर किया गया। इस क्रम में जनसामान्य को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और सामूहिक स्वछता श्रमदान अभियान चलाते हुए दिनांक 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2023 तक विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय एवं जन शिक्षण संस्थान के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अजय पांडे (सत्यम) ने महात्मा गाँधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए लोगों से स्वच्छता गतिविधियों में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेने का आह्वाहन किया। उन्होंने महात्मा गाँधी जी की स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सप्ताह में कम से कम 2 घंटे का समय निकाल कर श्रमदान करने की बात कही। अधिशासी अधिकारी मनीष राय, मोहनलालगंज रेलवे स्टेशन में चतुर्थ वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लखनऊ एवं जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में डॉ. अशोक कुमार के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत सामूहिक स्वच्छता की गयी। जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक होने वाली स्वच्छता गतिविधियों की व्यापक जानकारी दी। गतिविधि का संचालन जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से कराया गया। कार्यक्रम में श्री मन्नू राय एवं उनकी टीम द्वारा स्वच्छता स्लोगन लिखे गए इसके साथ ही संस्थान के कार्यालय स्टाफ सहित प्रशिक्षिका निशा, मानसी, राजेश्वरी, धनपति, कृष्णावती, विमलेश, विनीता, मालती, मंजू देवी, महेंद्र कुमार, लक्ष्य यूथ फाउण्डेशन के पुष्पेंद्र यादव, सुजय विश्वास, शिवम, मुकुल, नवीन का विशेष योगदान रहा। स्वच्छता कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

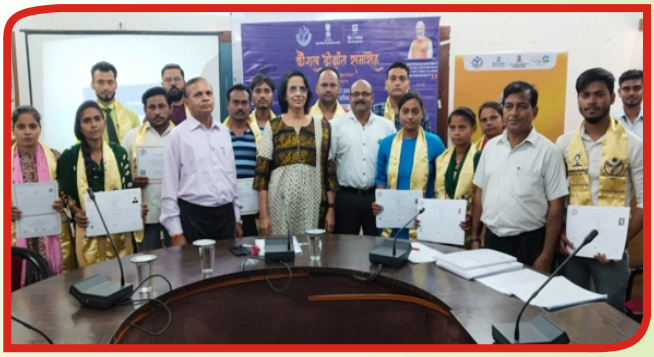

## कौशल दीक्षांत समारोह में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण :

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा दिनांक 12 अक्टूबर, 2023 को कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन इंडिया लिटरेसी बोर्ड के सभागार में किया गया। भारत सरकार द्वारा एआईसीटीई आडोटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह का सजीव प्रसारण जनपद के विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों एवं साक्षरता निकेतन परिसर में लाभार्थियों को दिखाया गया। समारोह में जन शिक्षण संस्थान एवं प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना

में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके ब्यूटिशियन, सिलाई, आटोमोटिव, इलेक्ट्रिकल, जूट क्राफ्ट, वेल्डिंग, आफिस असिस्टेंट, टेक्सटाइल, चिकनकारी आदि विधाओ के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए मुख्य अतिथि सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने कहा की जिस देश के युवाओ में कौशल होता है, वह देश समृद्धिशाली होता है। आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएँ भी अपने हुनर को तराश कर कौशल में परिवर्तित कर रही हैं, परिणाम स्वरुप वे खुद तो आत्मनिर्भर बन रही है साथ ही अपने परिवार को भी आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है।

संस्थान के निदेशक सौरभ कुमार खरे ने बताया की जनपद के विभिन्न केन्द्रों में भी कौशल विकास एवं उद्धमशीलता मंत्रालय के कौशल दीक्षांत समारोह के सीधे प्रसारण को दिखा कर माननीय प्रधान मंत्री जी सहित कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी, राज्य मंत्री श्री राजीव चन्द्र शेखर सहित विभिन्न गणमान्य अतिथियों के उद्बोधन का लाभ दिलाया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कार्यक्रम अधिकारी अवधेश साहू ने बताया की समारोह के अवसर पर 150 युवाओ को प्रमाण-पत्र वितरित किये गए तथा अपना स्वरोजगार या रोजगार प्राप्त कर चुके युवक युवतियों का सम्मान भी किया गया।

## लौह पुरुष जयन्ती पर आयोजित हुई एकता दौड़ :

लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयन्ती दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन एकेडमी के कर्मचारियों, अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में एकता शपथ का वाचन भी किया गया।

श्री सौरभ कुमार खरे निदेशक ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए बताया कि सरदार बल्लभ भाई पटेल जी ने आजादी के समय विभिन्न रियासतों में बटे हुए राष्ट्र को एक साथ एकत्रित करने में अहम भूमिका निभाई। श्री सुधाकर मान सिंह, प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि पटेल जी ने राष्ट्र के प्रथम उपप्रधानमंत्री के रुप में कार्य किया। वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन एकेडमी प्रधानाचार्या ने कहा कि स्वतन्त्रता आन्दोलन में सरदार पटेल का सबसे पहला और बड़ा योगदान 1918 में खेडा संघर्ष में हुआ। गुजरात का खेडा खण्ड (डिविजन) उन दिनों भयंकर सूखे की चपेट में था। किसानों ने अंग्रेज सरकार से भारी कर में छूट की माँग की। परन्तु यह स्वीकार नहीं किया गया। सरदार पटेल ने संघर्ष किया, जिसके समक्ष अन्ततः सरकार झुकी और उस वर्ष किसानों को करों में राहत मिली। यह सरदार पटेल की पहली सफलता थी। इस आयोजन में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे, प्रशासनिक अधिकारी, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री सुधाकर मान सिंह तथा प्रधानाचार्या वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन एकेडमी के द्वारा छात्रों को एकता शपथ दिलायी गयी। एकता दौड़ में संस्थान के कार्मिक, अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

## बिरसा मुंडा जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन :

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संचालित जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.) लखनऊ द्वारा दिनांक 15 नवम्बर 2023 से 26 नवम्बर 2023 तक महान् स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जी की जयन्ती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। संस्थान के निदेशक सौरभ कुमार खरे के निर्देशानुसार संस्थान द्वारा बिरसा मुंडा जी

जयन्ती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे वाद-विवाद, गायन एवं नृत्य प्रतियोगिया, स्वच्छता कार्यक्रम, हेल्थ कैम्प, निबन्ध लेखन, पौधरोपण सहित जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार की देख-रेख में दिनाँक 20 नवम्बर, 2023 को संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों ने देशभक्ति गीतों की उत्साहजनक प्रस्तुति दी और साथ ही भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के मैनेजर आई0पी0 गुप्ता, गौरी शंकर, सौरभ भारद्वाज आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गोष्ठी का आयोजन :

जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.), लखनऊ के निदेशक सौरभ कुमार खरे के निर्देशन में संविधान दिवस 26 नवम्बर 2023 के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट के प्रबन्धक, मुख्य अतिथि अजय पाण्डेय 'सत्यम' ने कहा कि आज के दिन 26 नवम्बर 1949 में देश की संविधान सभा ने मौजूदा संविधान को अपनाया था। इस अवसर पर एडवोकेट नरेंद्र साहू ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। विधान पालिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के क्या काम है तथा उनकी देश को चलाने में क्या भूमिका है, इन सभी बातों का जिक्र संविधान में किया गया है। संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने संचालन करते हुए कहा कि इस संविधान दिवस पर हमें जीवन भर अपने मौलिक कर्तव्यों एवं देश के कानून का पालन करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर केन्द्र की प्रशिक्षिका मंजू देवी, मानसी शर्मा सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए। □□□


## उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-68, अंक : 10-12
अक्टूबर-दिसम्बर, 2023

**संजय आर भूसरेड्डी**
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

**सन्ध्या तिवारी,**
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

**सम्पादक**
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

**सम्पादकीय सम्पर्क**
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

**कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग**
गुड्डू प्रसाद


प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

'इस मिट्टी में कुछ अनूठा है, कि कई बाधाओं के बावजूद हमेशा महान आत्माओं का निवास रहा है। आज हमें अमीर-गरीब, ऊँच-नीच, जाति-पंथ के भेदभावों को समाप्त कर देना चाहिए।'

- सरदार बल्लभ भाई पटेल

# जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

**राष्ट्रपिता को दी स्वच्छाँजलि :** जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा दिनांक 01 अक्टूबर, 2023 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सुबह 10 बजे सभी नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से स्वच्छता के लिए एक घंटे के श्रमदान की अपील के अनुपालन में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के कार्मिकों द्वारा गंगा नदी के तट पर परमट घाट स्थित पौराणिक एवं धार्मिक आस्था के प्रतीक श्री आनन्देश्वर धाम मन्दिर प्रांगण एवं घाट पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत साफ-सफाई का कार्यक्रम आयोजित करके राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी को स्वच्छाँजलि अर्पित की गयी।

कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने स्वच्छता की उपयोगिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत को कचरा मुक्त बनाना है। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री सत्यदेव पचौरी, सांसद, कानपुर लोकसभा की उपस्थिति ने स्वच्छता कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम में संस्थान के श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, डॉ. सुनील शुक्ला, रुचि गुप्ता, मनोज कुमार पाण्डेय, प्रह्लाद तिवारी, विजय कुमार अग्निहोत्री, लाल सिंह, निशात फातिमा, रीता शर्मा सहित संस्थान के 35 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

**प्रमाण-पत्र वितरण समारोह :** दिनांक 02 अक्टूबर, 2023 को गाँधी जयन्ती के शुभ अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा कार्यालय परिसर में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) के अन्तर्गत संचालित एसोशिएट डाटा एण्ट्री आपरेटर एवं आफिस असिस्टेंट के 40 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ललित खन्ना, सदस्य, प्रबन्ध मण्डल जन शिक्षण संस्थान, कानपुर एवं आपरेशन्स हेड, यदुपति सिंहानिया आईटीआई, कमला नगर एवं दादा नगर, कानपुर द्वारा गाँधी जी के फोटो पर माल्यार्पण करने के उपरान्त संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए एक सफल कामगार बनने के मंत्र भी दिये साथ ही साथ कैरियर काउंसिल के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को भविष्य में आने वाली कठिनाईयों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से संस्थान के कार्मिक प्रशिक्षकगण तथा प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

**गाँधी जयन्ती का आयोजन :** दिनांक 02 अक्टूबर, 2023 को गाँधी जयन्ती के शुभ अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा गाँधीजी के चित्र पर माल्यापर्ण करके गाँधी जी के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

**ऋण शिविर आयोजन :** कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 12 अक्टूबर, 2023 को कौशल दीक्षांत समारोह आयोजित कर प्रमाण-पत्र

वितरण किये जाने के निर्देशों के क्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा अपने संस्थान के 120 सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। इस कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा ऋण शिविर का भी आयोजन किया गया। इसमें केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित ऋण योजनाओं की जानकारी प्रतिभागियों के मध्य साझा की गयी।

**कैंडिल मेकिंग एवं डेकोरेटिव का प्रशिक्षण :** दिनांक 04 एवं 06 नवम्बर, 2023 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में दो दिवसीय कैंडिल मेकिंग एवं डेकोरेटिव बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में संस्थान की प्रशिक्षिका निशात फातिमा, शिखा शर्मा एवं तौकीर फातिमा द्वारा असिस्टेंट ड्रेस मेकर, ब्यूटी केयर असिस्टेंट एवं असिस्टेंट कम्प्यूटर आपरेटर कोर्स के प्रशिक्षणार्थियों को डिजायनर प्रशिक्षण के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की मोमबत्तियाँ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

**जन जातीय गौरव दिवस का आयोजन :** आदिवासी समुदाय के मसीहा माने जाने वाले भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र एवं उनके

संघर्ष से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को जागरुक किया गया।

**संविधान दिवस पर संविधान शपथ कार्यक्रम का आयोजन :** संविधान दिवस पर जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के पुराना अस्पताल रोड, घाटमपुर स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) का वाचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानव विकास समिति, घाटमपुर के प्रबन्धक डा. राम किशन गुप्ता (समाजसेवी) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती महजबी बेगम, पार्षद, वार्ड-17 नौबस्ता पूर्वी, घाटमपुर उपस्थित रहीं।

**विश्व एड्स दिवस :** दिनांक 01 दिसम्बर, 2023 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर में विश्व एड्स दिवस के मौके पर जागरुकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए बताया कि विश्व एड्स दिवस का उददेश्य इस गम्भीर बीमारी के बारे में जागरुकता फैलाना है साथ ही साथ अपने आस-पास के वातावरण को संक्रमण मुक्त रखना है।

**भारतीय भाषा दिवस :** दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को संस्थान कार्यालय में भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर जागरुकता संगोष्ठी की गई। उल्लेखनीय है कि महाकवि सुब्रमण्यम स्वामी के जन्म दिवस को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाया गया। □□□

# जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

**स्वच्छता ही सेवा :** कार्यक्रम के अन्तर्गत 02 अक्टूबर को कार्यालय परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र में संस्थान के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी को श्रद्धांजलि दी गई।

**जयंती लौह पुरुष :** दिनांक 31 अक्टूबर को जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा कार्यालय परिसर में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रशिक्षणार्थियों एवं प्रशिक्षकों के साथ एकता शपथ का वाचन किया गया।

**जन जातीय गौरव दिवस :** जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 2023 के दिन भगवान बिरसा मुण्डा जी की जयन्ती को 'जन जातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, देहरादून के कार्यालय सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से जन जातीय समाज की भावना जगाने व 'भगवान बिरसा मुण्डा' के योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुण्डा की जीवन पर विस्तार से बताया।

भगवान बिरसा का जन्म 15 नवम्बर, सन् 1875 को हुआ था। लड़कपन में बिरसा ने अतीत में मुंडा विद्रोहों की कहानी सुन ली थी। अपनी किशोरावस्था में बिरसा जिन विचारों से सम्पर्क में आए, उनसे वह काफी गहरे तौर पर प्रभावित थे। संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने उपस्थित जनों को बताया कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व राष्ट्रीय गौरव, वीरता तथा आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने हेतु गत वर्ष 2021 से भारत सरकार के निर्देशों पर 15 नवम्बर के दिन 'जन जातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया जा रहा है।

**विश्व एड्स दिवस :** दिनांक 01 दिसम्बर, 2023 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन कार्यालय परिसर के मुख्य सभागार में किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक द्वारा एड्स जागरूकता विषय पर चर्चा करने के लिए स्थानीय ए.एन.एम सुश्री स्वाति रमोला, ए. एन.एम सुश्री सुनीता भट्ट, को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यकर्ता, संदर्भदाता श्रीमती सीता देवी तथा प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रतिभागी व स्थानीय महिलाएँ सम्मिलित हुई। कार्यक्रम में संस्थान की संदर्भदाता श्रीमती सीता देवी एवं ए.एन.एम. सुश्री स्वाति रमोला द्वारा एड्स सम्बन्धित बीमारी के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। ए.एन.एम. सुश्री सुनीता भट्ट ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है। एड्स मुख्यतः चार कारणों से फैलता है- संक्रमित व्यक्ति से खून चढ़ाने से, असुरक्षित यौन सम्बन्ध, एड्स से ग्रस्त रोगी पर प्रयोग किए गए इंजेक्शन को दूसरे व्यक्ति पर प्रयोग करने से, एड्स ग्रसित माँ से बच्चों को हो सकता है। इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से समय-समय पर हम सभी को एड्स की जाँच करानी चाहिए।

**भारतीय भाषा दिवस :** जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को संस्थान कार्यालय परिसर के मुख्य सभागार में भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर जागरुकता संगोष्ठी की गई। उल्लेखनीय है कि महाकवि सुब्रमण्यम स्वामी के जन्म दिवस को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाने के निर्देश भारत सरकार द्वारा सभी जन शिक्षण संस्थानों को दिए गए हैं। इसी क्रम में जन शिक्षण संस्थान द्वारा भी कार्यक्रम का आयोजन किया। □□□

# गरीबों को नि:शुल्क विधिक सहायता

सम्पूर्ण भारत वर्ष में समाज के गरीब और कमजोर वर्ग तथा आर्थिक रूप से असहाय व्यक्तियों को उनके मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करने तथा उन्हें नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान किए जाने के लिए वर्ष 1987 में भारतीय संसद द्वारा 'राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम' का गठन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का यह नेटवर्क सम्पूर्ण राष्ट्र में 9 नवम्बर 1995 को लागू किया गया। इसके अन्तर्गत कानूनी सहायता कार्यक्रमों की निगरानी, मूल्यांकन और उनका सम्यक क्रियान्वयन करने तथा साथ ही उक्त अधिनियम के तहत कानूनी सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। इस प्राधिकरण का एक और महत्वपूर्ण कार्य विधिक सेवाओं के लिए नीतियों और सिद्धान्तों का निर्धारण करना भी है।

इस अधिनियम के तहत भारत के प्रत्येक राज्य में एक 'राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण' गठित किया गया है। इसी प्रकार प्रत्येक उच्च न्यायालय में एक 'उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति' भी गठित की गई है। 'राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम' की नीतियों को प्रभावी बनाने और लोगों को नि:शुल्क कानूनी सेवाएँ प्रदान करने के लिए राज्यों में लोक अदालतों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलों में 'जिला विधिक सेवा प्राधिकरण' और ब्लाक स्तर पर 'ब्लाक विधिक सेवा समिति' का गठन किया गया है। इसके साथ ही विधिक सेवा कार्यक्रमों को प्रसारित, प्रचारित और लागू करने के लिए 'उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति' का गठन भी किया गया है।

## राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण :

सम्बन्धित प्रदेश में समाज के कमजोर वर्ग एवं आर्थिक रूप से असहाय व्यक्तियों को उनके अधिकारा की समुचित सुरक्षा हेतु उन्हें नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39-ए के अन्तर्गत 'राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण' का गठन किया गया है। प्राधिकरण द्वारा पीड़ित व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए बिना किसी शुल्क के कानूनी सलाह उपलब्ध कराई जाती है।

**जिला विधिक सेवा प्राधिकरण :** राज्य सरकार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से जिला प्राधिकरण को प्रदत्त शक्तियों और कर्तव्यों का पालन करने के लिए राज्य के प्रत्येक जिले के लिए एक निकाय का गठन करेगी जिसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कहा जाएगा।

प्रत्येक जिले के अन्तर्गत जिला न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। इस प्राधिकरण का अध्यक्ष जिला न्यायाधीश होता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का दायित्व पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को कानूनी सहायता प्रदान करना तथा कालेजों में और जेल में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को प्राधिकरण के कार्यों की जानकारी प्रदान करना तथा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के सम्बन्ध में गोष्ठी एवं कानूनी जानकारी की कक्षाओं का आयोजन करना है।

नि:शुल्क कानूनी सहायता और सभी के लिए न्याय के अधिकार के अन्तर्गत समाज के गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को वांछित कानूनी सहायता प्रदान की जाती है।

## मुफ्त विधिक सहायता हेतु पात्रता :

कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 में निर्धारित पात्रता को पूरा करने वाले व्यक्यिों के प्रकरण में कानूनी सहायता प्रदान कर उनका निस्तारण बातचीत, मध्यस्थता और सुलह के माध्यम से किए जाने का प्रयास किया जाता है। नि:शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु प्राधिकरण ने कुछ योग्यताएँ एवं नियम निर्धारित किया है जिनकी पूर्ति करने वालों को ही नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है -

नि:शुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने वालों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के सभी व्यक्ति इस सेवा का लाभ लेने के लिए पात्र माने गए हैं। लाभ प्राप्त करने वाले व्यक्ति की समस्त स्रोतों से प्रतिवर्ष की आय एक लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। सामाजिक रूप से पिछड़े व्यक्ति, महिला और बच्चे भी नि:शुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं।

**किस कार्य के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की जाती है :**

निःशुल्क कानूनी सहायता के अन्तर्गत पात्र व्यक्तियों को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्धारित श्रेणियों के लिए ही सहायता प्रदान किया जाना प्राविधानित है। इसके अन्तर्गत पात्र व्यक्ति को कोर्ट फीस, कार्यवाहियों तथा आदेश आदि प्रपत्रों की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने हेतु जमा किए जाने वाले निर्धारित शुल्क की पूर्ति तथा विधिक कार्यवाही के टंकण हेतु अथवा सम्बन्धित दस्तावेजों के अनुवाद आदि के लिए किए गए सभी प्रकार के भुगतानों हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

निःशुल्क कानूनी सहायता सेवा का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप निम्न प्रकार दिया जा रहा है। इस प्रकार से प्रार्थना पत्र में वांछित जानकारी भर कर पीड़ित व्यक्ति को निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने हेतु आवेदन करना होता है।

## निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप

1. आवेदक का नामः .....
2. आवेदक का स्थायी पताः .....
3. पत्र व्यवहार का पताः .....
4. टेलीफोन/मोबाइल नम्बर.....
5. ई-मेल आई.डी. यदि कोई होः .....
6. क्या आवेदक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश के नियमों के अन्तर्गत निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने वाली श्रेणी में आता है। यदि हाँ, तो श्रेणी अंकित करें .....
7. आवेदक की मासिक आयः.....
8. आय/अर्हता के समर्थन में शपथ पत्र/सबूत प्रस्तुत करें.....
9. किस प्रकार से विधिक सहायता प्राप्त करना चाहते हैं।
   (1) नया मुकदमा दाखिल करना चाहते हैं- हाँ/नहीं
   (2) लम्बित मुकदमें में कानूनी सहायता/वकील चाहते हैं- हाँ/नहीं
   (3) विधिक सलाह चाहते हैं (विवरण लिखें)-.....
   (4) न्यायालय आधारित विधिक सेवाएँ प्राप्त करने हेतु प्रकरण का संक्षिप्त विवरण दें- (यह विवरण अलग से लिखकर भी संलग्न कर सकते हैं।)

स्थान :

तारीख : आवेदक के हस्ताक्षर

उपरोक्तानुसार सादे कागज पर साफ लिखे हुए अथवा टाइप किए हुए प्रार्थना पत्र पर कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस सुविधा का लाभ पाने के लिए एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन नम्बर 15100 भी जारी किया गया है। पीड़ित व्यक्ति इस नम्बर पर डायल कर सीधे भी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

□□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर ई-उजाला न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव